आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 29 जुलाई 2024, समय 1810 (10 मिनट))

- **प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत अब तक कुल 1 करोड़ 18 लाख से अधिक मकान स्वीकृत किये जा चुके हैं**

और

पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत रेहड़ी-पटरी वालों को अब तक 11 हजार 713 करोड़ रुपये का ऋण किया जा चुका है वितरित

- **हरियाणा सरकार ने व्यर्थ पानी बहने से रोकने के लिए जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 18 लाख 56 हजार 212 नलों पर लगाई टुटी।**

- **कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 7 से 11 अगस्त तक आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 16 देशों की 19 भाषाओं की फिल्में होंगी प्रदर्शित**
- **मुख्यमंत्री ने राजकीय महाविद्यालय, हिसार का नाम गुरु गौरखनाथ के नाम पर करने की दी मंजूरी**

****
****

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत अब तक कुल एक करोड़ 18 लाख से अधिक मकान स्वीकृत किये जा चुके हैं। आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कुल स्वीकृत घरों में से एक करोड़ 14 लाख से अधिक आवास निर्माणाधीन हैं तथा 85 लाख से अधिक का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत रेहड़ी-पटरी वालों को अब तक कुल ग्यारह हजार 713 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। राज्यसभा में एक प्रश्न के जवाब में आज आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि कुल 86 दशमलव तीन-आठ लाख के ऋण वितरित किए गए हैं, जिनमें से 31 दशमलव सात-तीन लाख के ऋण चुकाए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऋण का उपयोग रेहड़ी-पटरी वालों ने अपने व्यवसाय के विस्तार और कार्यशील पूंजी की जरूरतों के लिए किया था।

****

हरियाणा के जनस्वास्थ्य एवं लोक निर्माण मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान सरकार के पौने 10 साल के दौरान विभिन्न पेयजल एवं सीवरेज योजनाओं के प्रभावी और स्थाई इन्फ्रास्टक्चर तैयार करने पर 133343.36 करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई है। जनस्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में 294 नहरी जल पर आधारित परियोजनाओं और 265 टयूबवैल आधारित

पेयजल परियोजनाओं के माध्यम से नागरिकों को निर्बाध रूप से पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल सप्लाई करने के लिए 575.50 करोड़ रुपए की राशि व्यय की गई है। इसके अलावा राज्य में पंद्रह सौ करोड़ रुपए की लागत से 4861 नए ट्यूबवैल और 1343 बुस्टिंग स्टेशन बनाकर चालू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 14 बड़े-बडे गांवों में पेयजल सप्लाई 70 लीटर से बाकर 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की गई है। इसके अलावा 12 गांवों में सीवरेज ट्रीटमेंट सुविधाओं में इजाफा किया गया है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी न फैले और स्वच्छ वातावरण भी बना रह सके। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 18 लाख 56 हजार 212 नलों पर टुटी लगाकर पानी को व्यर्थ बहने से रोका गया है। डा. बनवारी लाल ने कहा कि प्रदेश के पलवल एवं नूंह जिलों के 164 गांवों में निर्बाध रूप से पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए 3 रेनीवेल सफलतापूर्वक शुरू किए गए हैं।

****

पेरिस में चलरहे ओलंपिक गेम में शूटिंग में भारत की मनु भाकर ने कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया है उसके बाद आज अंबाला के सर्बजोत ने शूटिंग में क्वालीफाई कर लिया है ! सर्बजोत के कोच गौरव ने जानकारी देते हुए कहा कि आज के मैच में शूटिंग में इंडिया की टीम तीसरे स्थान पर आई है और कल कांस्य पदक के लिए

कोरिया के साथ मुकाबला है ! उन्होंने कहा कि ये मिक्स क्वालीफाई मैच था और उसमे इंडिया की टीम तीसरे स्थान पर आई है और कल इंडिया और कोरिया के बीच कांस्य पदक के लिए मैच खेला जाएगा ! वही हरियाणा के कैमला गांव के बलराज पंवार ने ओलिंपिक रोइंग स्पर्धा में क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है । 27 जुलाई को हिट्स राउंड में बलराज ने चौथा स्थान हासिल किया था, जिसके बाद रिपीचेज राउंड में उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का एक और मौका मिला। आज हुए रिपीचेज राउंड में बलराज ने 7 मिनट 12 सेकंड और 41 मिलीसेकंड में अपनी रेस पूरी कर दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 1 करोड़ 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को एक-एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री कल देर रात कुरुक्षेत्र में अग्रवाल धर्मशाला में श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत की तरफ से आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद नवीन जिंदल, राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत की तरफ से सेक्टर 8 में बनने वाले

वातानुकूलित अग्रसेन भवन का शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, सांसद व राज्यमंत्री ने कुल 31 लाख रुपए के अनुदान राशि देने की घोषणा की। श्री सैनी ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत करनाल में एक साथ 20 हजार और कुरुक्षेत्र में 5 हजार पौधे लगाए गए।

****

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,कुरुक्षेत्र में 7 से 11 अगस्त,2024 तक 7वां हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग तथा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट्स एंड कल्चरल डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा।विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणवी सिनेमा, कला एवं संस्कृति के विकास को समर्पित हरियाणा का एकमात्र फिल्म महोत्सव कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल एवं सीनेट हॉल में आयोजित किया जाएगा। पांच दिवसीय हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में देश विदेश की प्रसिद्ध फिल्मों को प्रदर्शित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में फीचर फिल्म, लघु फिल्म, एनीमेशन, वृत्तचित्र, संगीत वीडियो आदि सहित 75 फिल्मों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस समारोह में 16 देशों की 19 भाषाओं की फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी।

****

हरियाणा सरकार ने हिसार स्तिथ राजकीय महाविद्यालय, का नाम गुरु गौरखनाथ जी के नाम पर करने का फैसला लिया है। इस संबंध में आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। उच्चतर शिक्षा विभाग के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप राजकीय महाविद्यालय, हिसार का नाम गुरु गौरक्षकनाथ जी के नाम पर रखा गया था, जिसे अब संशोधित कर गुरु गौरखनाथ जी के नाम पर रखा जाएगा।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही राज्य विश्वविद्यालयों, सरकारी कॉलेजों और सरकारी सहायता प्राप्त निजी कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों के लिए को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राज्य पुरस्कार की नीति में संशोधन को मंजूरी प्रदान कर दी है। संशोधन के अनुसार, नीति में शिक्षकों की सेवाओं का मूल्यांकन करने के लिए 15 वर्ष की शर्त को अब 10 वर्ष कर दिया गया है। सरकार के इस निर्णय से अब नये शिक्षकों को भी पुरस्कार प्राप्त करने का मौका मिलेगा। उच्चतर शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य सरकार ने विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों, सरकारी कॉलेजों और सरकारी सहायता प्राप्त निजी कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों

की शैक्षणिक, पाठ्यचर्या और पाठ्येतर असाइनमेंट के प्रति उनके योगदान के लिए उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए राज्य शिक्षक पुरस्कार की योजना चलाई जा रही है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संकाय सदस्यों को सम्मानित करना है। प्रवक्ता ने बताया कि नीति के तहत शिक्षकों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए हर साल कुल 14 राज्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इसमें उच्चतर शिक्षा के दायरे में आने वाले राज्य विश्वविद्यालयों को 2 पुरस्कार, सरकारी कॉलेजों को 8 पुरस्कार और हरियाणा के सरकारी सहायता प्राप्त निजी कॉलेजों को 4 पुरस्कार शामिल होंगे। पुरस्कार विजेताओं को 1 लाख रुपये का नगद इनाम, प्रशंसा प्रत्र और शॉल से नवाजा जाएगा। शिक्षक पुरस्कार के लिए 4 स्तर शामिल होंगे, जिसमें पिछले 10 सालो के दौरान शैक्षणिक उत्कृष्टता और सेवा रिकॉर्ड, पाठ्येतर उपलब्धियाँ और समाज में योगदान, संस्थागत विकास में योगदान और शोध कार्य के आधार पर कुल 200 स्कोर में से शिक्षकों को स्कोर दिया जाएगा। 50 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले शिक्षक इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे।

****

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। सरकार द्वारा विकासात्मक कार्यों में नित नए-नए आयाम स्थापित कर प्रदेश

को देश के अग्रणी राज्यों में शुमार किया है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई अंत्योदय योजना से गरीब परिवारों में खुशहाली आई है। कृषि मंत्री आज यमुनानगर जिला के जगाधरी क़स्बा में जनसमस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने संयुक्त रूप से जनता के हित में आयुष्मान, उज्जवला, चिरायु, दयालु, निरोगी हरियाणा , फिट भारत, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, अंत्योदय योजना जैसी अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं।

****

आज अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य बाघों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए एक वैश्विक प्रणाली को बढ़ावा देना और बाघ संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। विश्व वन्यजीव कोष के अनुसार भारत में बाघों की आबादी वर्तमान में स्थिर है और बढ़ रही है। भारत में वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर द्वारा बाघ अभयारण्य स्थापित किए गए थे। इनका प्रबंधन राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा किया जाता है। विश्व के 80 प्रतिशत बाघ भारत में मौजूद हैं।